हिंदी लोकवाणी

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं। उन्हें देखने प्राय: उनकी दादी और कभी-कभी दादा भी प्रयाग आते रहे। तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं। ससुराल में उन्होंने बालिकावधू के रूप में पदार्पण किया था। संभ्रांत जमींदार परिवार की परंपरा के अनुसार उन्हें घंटों सिर नीचा करके एकासन बैठना पड़ता था, परिणामत: उनकी रीढ़ की हड्डी इस प्रकार झुक गई कि युवती होकर भी वे सीधी खड़ी नहीं हो पाती थीं।

बालिकाओं के संबंध में राजेंद्र बाबू का स्पष्ट निर्देश था कि वे सामान्य बालिकाओं के समान बहुत सादगी और संयम से रहें। वे खादी के कपड़े पहनती थीं, जिन्हें वे स्वयं ही धो लेती थीं। उनके साबुन-तेल आदि का व्यय भी सीमित था। कमरे की सफाई, झाड़-पोंछ, गुरुजनों की सेवा आदि भी उनके अध्ययन के आवश्यक अंग थे।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

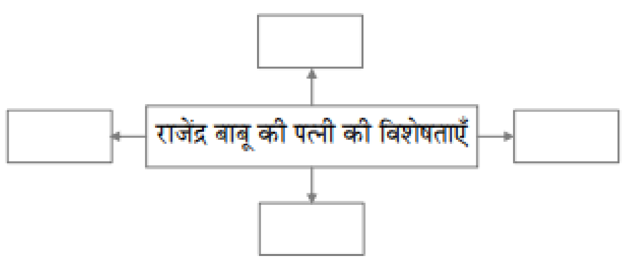

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए: **[1]**

(1) बालक ....

(2) धरती ....

(ii) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

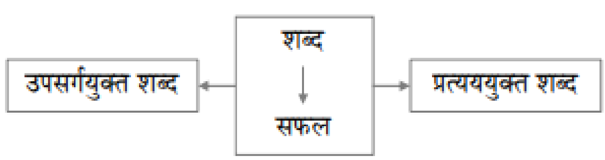

(3) "सादा जीवन उच्च विचार" विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

आदमी :	महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।
हवा :	महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(1) कारण लिखिए: **[2]**

हवा बदबूवाली होती है –

(i) ....

(ii) ....

(2) (i) उपर्युक्त गद्यांश से अँग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) ....

(2) ....

(ii) गद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) .... × ....

(3) 'बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के उपाय' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझपर चंद्र प्रकाश है।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है।।

(1) उचित जोड़ियाँ लगाइए: **[2]**

	'अ'	उत्तर	'ब'
(i)	निर्मल	....	दृश्य
(ii)	शीतल	....	मखमल
(iii)	षड्ऋतु	....	पवन
(iv)	हरियाली	....	नीर

(2) प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।
नैनों अंतर आव तूँ, नैन झाँपि तोहिं लेवँ।
ना मैं देखों और को, ना तोहि देखन देवँ।।
लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल।
लाली देखन में गई, मैं भी हो गई लाल।।

(1) कारण लिखिए: **[2]**

कवि प्रभु को आँखों में बंद करना चाहते हैं।
↓
(i) ....
(ii) ....

(2) अंतिम **दो** पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) इकट्ठा, इकठटा, इकठ्टा, इक्कट्ठा ....

(ii) बुद्धी, बुध्दी, बुद्धि, बूद्धि ....

(2) निम्नलिखित में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) वहाँ

(ii) ओह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	....	....
	अथवा	
....	सदा + एव	....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(अंक में भरना, खाली हाथ लौटना)

समीर ने मुझे देखते ही गले लगा लिया।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(i) तंग करना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

बचपन में मैंने परिजनों की, बुजुर्गों की सेवा की।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) मुझे देखते ही चाय हाजिर करता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(2) मुझे अभिवादन का ध्यान आता है। (सामान्य भूतकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:

यदि भगवान ने चाहा तो सेठानी सात दिन में ठीक हो जाएगी।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:

ताजगी महसूस होती है। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: **[12]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अजय सिन्हा/अंजना सिन्हा, सुंदर नगर, जत से नगर विकास अधिकारी, नगर परिषद, जत को बच्चों को खेलने के लिए बगीचा बनवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

चेतना सोनवणे/चेतन सोनवणे, आझाद नगर, चिखली से अपनी सहेली/मित्र फरहाना शेख/फरहान शेख, तिलक नगर, रायपुर को बहन की शादी में आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखती/लिखता है।

(२) विज्ञापन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर **50** से **60** शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

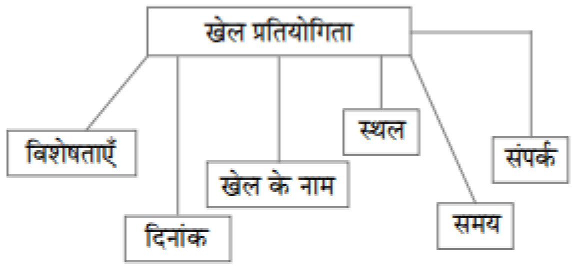

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों –

पिता जी ने धोती ऊपर कर ली, कुरते की बाँहें चढ़ा लीं और अपना पहाड़ी मोटा डंडा दाहिने हाथ से कंधे पर सँभाले, बायाँ हाथ तेजी से हिलाते, नंगे पाँव आगे बढ़े। उन्होंने उनके पास जाकर कहा, "मैं लड़ने नहीं आया हूँ। लड़ने को आता तो अपने साथ औरों को भी लाता। डंडा केवल आत्मरक्षा के लिए साथ है, कोई अकेला मुझे चुनौती देगा तो पीछे नहीं हटूँगा। मर्द की लड़ाई बराबर की लड़ाई है, चार ने मिलकर एक को पीट दिया तो क्या बहादुरी दिखाई।"

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मोबाइल शाप या बरदान

(2) यदि मैं पंछी होता……………

विभाग 1 - गद्य : 12 अंक

1. ममतालु
2. क्षमामयी
3. सरल
4. साध्वी

(2) (i)

१. बालक - **पुल्लिंग**
२. धरती - **स्त्रीलिंग**

(ii) उपसर्गयुक्त शब्द - असफल
प्रतययुक्त शब्द - सफलता

(3) सादा जीवन यानि सादगी से भरा हुआ जीवन। सादा जीवन उच्च विचार हमारी जिंदगी में संतुष्टि ला सकता है। विचार और व्यवहार को उच्च बना लेने पर ही मनुष्य को उस वास्तविक सुख-शांति की प्राप्ति संभव हो सकती है। इसलिए व्यक्ति को सादा जीवन उच्च विचार इस सिद्धांत को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गयी सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

आदमी:	महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।
हवा:	महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(1) हवा बदबूवाली होती है -

i. **मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डालना**
ii. **कारखानों से निकली गंदगी और गैसें**

(2) (i)

१. **गैसें**
२. **कंपोस्ट**

(ii) विलोम शब्द - **बदबू × खुशबु**

(3) आज प्रदूषण के कारण विश्व में चारों ओर लोगों का जीना दूभर हो गया है। प्रदूषण को रोकने के लिए हमें प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण करना चाहिए। हमें पटाखें जलाना, कूड़ा-कचरा यहाँ-वहाँ नहीं फेंकना चाहिए। मानव जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगानी चाहिए। सरकार को अवैध खनन पर रोक लगानी चाहिए। कारखानों की चिमनियों की ऊँचाई अधिक रखनी चाहिए। कारखानों से निकले हुए रासायनिक पदार्थों को तालाब, नदी या सागर में नहीं डालना चाहिए। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए सभी को पेड़ लगाने चाहिए।

विभाग 2 - पद्य : 8 अंक

१.

'अ'	उत्तर	'ब'
(i) निर्मल	**नीर**	दृश्य
(ii) शीतल	**पवन**	मखमल
(iii) षडऋतु	**दृश्य**	पवन
(iv) हरियाली	**मखमल**	नीर

२. प्रस्तुत पंक्तियाँ मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं। मातृभूमि पर उपलब्ध प्राकृतिक स्रोतों से तो जल मिल रहा है। वह अमृत के समान उत्तम है। इस मातृभूमि पर बहने वाली शीतल-मंद व सुंगधित पवन मनुष्य के सारे कष्टों को दूर भगाती है। वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत व शिशिर इन छः ऋतुओं के एक के बाद एक अदभुत दृश्य देखने को मिलते हैं। मातृभूमि का धरातल हरियाली से भरा हुआ है; जो किसी रोएँदार मखमल के कपड़े से कम नहीं है।

(1)

कवी प्रभु को आँखों में बंद करना चाहते हैं।
↓
i. <u>ना मैं किसी अन्य को देखूँ।</u> ii. <u>नहीं तुमको देखने दूँगी।</u>

(2) कबीरदास जी ने इस दोहे में ईश्वर को लाल कहा है और उसकी महिमा को लाली कहकर संबोधित किया है। वे कहते हैं, "मुझे मेरे ईश्वर की अद्भुत महिमा हर जगह दिखाई देती है। जब मैं उस अद्भुत महिमा को देखने गया तब मैं भी उसमें विलीन हो गया।"

विभाग 3 - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए:

इकट्ठा

बुद्धि

निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

वहाँ

वहाँ - वहाँ एक मजेदार दृश्य देखने को मिला।

निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

ओह !

ओह ! - ओह ! कितनी प्यारी जगह है।

कृति पूर्ण कीजिए:

संधि शब्द	संधि - विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	_____	_____

संधि शब्द	संधि - विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	दुः + लभ	विसर्ग संधि

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
सदैव	**सदा** + **एव**	**स्वर संधि**

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

समीर ने मुझे देखते ही गले लगा लिया।

अंक में भरना।

वाक्य - समीर ने मुझे देखते ही अंक में भर लिया।

तंग करना - परेशान करना

वाक्य - उसने हमें बहुत तंग करना शुरू कर दिया था।

बचपन में मैंने परिजनों की, बुजुर्गों की सेवा की - **पूर्ण भूतकाल**

निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

मुझे देखते ही चाय हाजिर करता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

मुझे देखते ही चाय हाजिर कर दी है।

निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

मुझे अभिवादन का ध्यान आता है। (सामान्य भूतकाल)

मुझे अभिवादन का ध्यान आया।

यदि भगवान ने चाहा तो सेठानी सात दिन में ठीक हो जाएगी - **मिश्र वाक्य**

ताजगी महसूस नहीं होती है।

विभाग 4 - रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक , सूचना-आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अजय सिन्हा/अंजना सिन्हा, सुंदर नगर, जत से नगर विकास अधिकारी, नगर परिषद, जत को बच्चों को खेलने के लिए बगीचा बनवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अजय सिन्हा
सुंदर नगर,
जत।
दिनांक - 8 मार्च 2022

प्रति,
नगर विकास अधिकारी,
नगर परिषद,
जत।

महोदय,

मैं अजय सिन्हा सुंदर नगर जत का निवासी आपका ध्यान इस पत्र के माध्यम से आपको एक महत्वपूर्ण सुझाव देना चाहता हूँ। जत एक सुंदर और सकुशल नगर है। महोदय आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे क्षेत्र में बच्चों को खेलने के लिए एक भी बगीचा नही है जिसमें जाकर वो खेल सके। बगीचे की अभाव में बच्चों को रोड पर खेलना पड़ता है। जिसमे दुर्घटना होने की अत्यधिक संभावना है। माता पिता हर समय अपने बच्चों को खेलने भेजने में डरते है।

मैं आपसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हूँ कि नगर परिषद के द्वारा नगर में एक बगीचा बनवाने का प्रयास किया जाए, जो हमारे बच्चों के लिए आकर्षक और सुरक्षित खेलने का स्थान बना सके। यह बगीचा बच्चों को खेलने, मित्रता को बढ़ाने और उनकी शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण साधन होगा।

मैं आपकी अधिकृत संपर्क का इंतजार करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप हमारे सुझाव के बारे में सोचेंगे।

धन्यवाद !

भवदीय,
अजय सिन्हा।

चेतना सोनवणे,
आझाद नगर,
चिखली।
दिनांक- १५ मार्च 2023

फरहाना शेख,
तिलक नगर,
रायपुर।

प्रिय सहेली,

आशा करती हूँ की तुम वहाँ ठीक होंगे और तुम्हारा स्वास्थ्य भी ठीक होगा। हम भी यहाँ ठीक है। पिछली बार जब हम सभी दोस्त मिले थे तो बहुत मजा आया था। अब वो समय फिर आया है जब हम सभी फिर मिलेंगे और वो भी बहोत जल्द क्योंकि 31 मार्च को मेरी बड़ी बहन ज्योति की शादी निश्चित हुई है। मैंने पत्र के साथ आमंत्रित पत्रिका भेजी है। मैं चाहती हूँ कि आप विवाह से कुछ दिन पहले ही यहाँ आ जावो। क्योंकि मुझे यहाँ कई प्रकार के इंतजाम करने हैं। यह मेरे अकेले के लिए आसान नहीं है। यदि तुम जल्दी आ जाओ तो मेरा बोझ कुछ कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त तुम मेरे सब से विश्वासपात्र सहेली हो।

आशा है कि तुम इस अवसर का पूर्ण रूप से आनंद उठाओगे। मैं तुम्हारे यहाँ आने की प्रतीक्षा करूँगी। यदि तुम मुझे अपने आने का समय बता सको तो मैं तुम्हें लेने स्टेशन पर आ जाऊँगी। अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी प्रिय सहेली,
चेतना सोनवणे

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

✸ फुटबॉल खेल प्रतियोगिता 2023 ✸

मदर चॉइस

खिलौनों की दुकान

आइए, अपनी प्रतिभा दिखाइए
ओर खेल का आनंद लीजिए !

हम लाए है आपके लिए हर प्रकार के खिलौने |

हर बच्चे की पसंद मदर्स खिलौने

छोटे से बड़ो तक सब की पसंद वाले खिलौने उपलब्ध है |

सॉफ्ट खिलोने, पजल गेम्स सब कुछ एक ही दुकान में उपलब्ध |

हमारे यहाँ पर हर तरह के खिलौने पर छुट दी जाती है |

संपर्क करे :

समय : सुबह 10 बज़े : 8 बज़े |

87, जियान चंद बिल्डिंग, द मॉल, शिमला, हिमाचल प्रदेश 171001

फोन: 0177 265 5194

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों -

प्रश्न -

१. पिता जी ने उनके द्वारा धोती ऊपर करने का क्या कारण बताया?
२. उन्होंने डंडा को किस उद्देश्य के लिए साथ रखा था?
३. पिताजी ने उनके पास जाकर क्या कहा ?
४. मर्द की लड़ाई कैसी लड़ाई है?

निबंध लिखिए:

मोबाइल शाप या वरदान

मोबाइल शाप या वरदान

आजकल की दुनिया मोबाइल के बैगर अधूरी है। दैनिक जीवन में मोबाइल के बिना इंसान का जीवन जैसे बिना पानी के मछली। मोबाइल संचार सुविधा का एक महत्वपूर्ण साधन है। पहले तार से जुड़े हुए फोन या दूरभाष का प्रचलन हुआ, फिर मोबाइल फोन का जिस तेजी से प्रसार हुआ, वह संचार साधन के क्षेत्र में चमत्कारी घटना है।

पहले लोग एक दूसरे से बात करने के लिए या तो खुद मिलने जाते थे या फिर पत्र लिखते थे जिसमें बहुत टाइम लगता था। लेकिन मोबाइल फोन आने के बाद चंद मिनटों में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे आदमी से बातचीत कर सकता है। मोबाइल फोन आज के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। आज तो सबके दिन की शुरुवात भी मोबाइल फोन से होती है और अंत भी। मोबाइल फोन से मानो पूरे विश्व की दूरियाँ समाप्त हो गयी हैं। पहले मोबाइल से बातचीत होती थी अब मोबाइल फोन में कंप्यूटर की भी सारे सुविधाएँ उपलब्ध है। कैमरा, घड़ी जैसी रोजमर्रा की जरूरतें भी इससे पूरी होने लगीं। ट्रेन, हवाई जहाज और बस आदि का आरक्षण भी इससे घर बैठे संभव हो गया है। अब तो मोबाइल की उपलब्धता दिन पर दिन बढ़ते हे जा रही है। नियमित उपयोग होने वाली वस्तुओं की खरीदी भी और पेमेंट भी मोबाइल द्वारा कर सकते है।

प्रत्येक वस्तु के अच्छे व बुरे दो पक्ष होते है। मोबाइल फोन से भी अनेक हानियाँ है। वैज्ञानिक शोधों के अनुसार मोबाइल से बात करते समय रेडियों किरणें निकलती है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होती है। इसे लगातार सुनने से कान कमजोर हो जाते है। मस्तिष्क में चिड़चिड़ापन आ जाता है। रात को मोबाइल अपने सिरहाने के पास रखकर नहीं सोना चाहिए , इससे कैंसर इत्यादि गंभीर परिणाम भुगतना पड़ सकता है। देर रात तक मोबाइल के इस्तेमाल से नींद कम हो जाती है। छात्रों को मोबाइल गेमिंग की बुरी लत पड़ने से उन पर दूरगामी दुष्प्रभाव पड़ता है। दुष्ट लोगों द्वारा अश्लील संदेश भेजना, अपराधी प्रवृति को बढ़ावा देना तथा अनचाही सूचना भेजना इत्यादि से मोबाइल का दुरूपयोग किया जाता है। जिससे समाज में अपराध बढ़ रहे है। साथ ही अपव्यय भी बढ़ रहा है। कहने का तात्पर्य यह है , कि मोबाइल एक जरुरी संचार साधन है जिसका सूझ- बूझ के साथ उपयोग करने में ही हमारी भलाई है। यह आपके जीवन को सरल और संगठित बनाने का माध्यम बन गया है या फिर एक अभिशाप बन गया है, यह बिल्कुल आप पर निर्भर करता है।

निम्नलिखित विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:

यदि मैं पक्षी होता...

यदि मैं पक्षी होता...

जब मैं आसमान की तरफ देखता हूँ, तो वहाँ पर सभी सुंदर सुंदर पक्षियों को उड़ता हुआ देख मेरे मन में भी ख्याल आता है कि अगर मैं एक पक्षी होता तो क्या करता? मेरा मन करता है कि मैं भी पक्षी बनकर आसमान में ऊँचाइयों तक पहुच जाऊँ और बादलों को छू लूँ।

यदि मैं एक पक्षी होता तो आसमान में उड़ कर बादलों के बीच में खेलता और वहाँ पर ठंडी-ठंडी हवा का भरपूर आनंद लेता, क्योंकि यहाँ धरती पर हमें आए दिन यातायात के साधनों का उपयोग करना पड़ता है, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए। अगर मैं पक्षी होता तो आसानी से उड़कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाता।

हर मनुष्य अपने जीवन में कुछ ना कुछ उम्मीद रखता है। वह सोचता है कि पक्षी का जीवन सबसे अच्छा माना जाता है। पक्षियों को किसी प्रकार की कोई चिंता नहीं होती है, ना उनकी कोई उम्मीद होती है। वह सिर्फ अपनी धुन में मस्त रहते हैं और हमेशा आसमान की ऊँचाइयों पर उड़ते रहते हैं। मेरा मन भी इन सभी पक्षियों की तरह जीवन जीने को करता है।

अगर मैं पक्षी हो जाऊँ तो मुझे पूरी आजादी मिल जाएगी मुझे किसी से अपने बाहर घूमने, फिरने, खेलने के लिए किसी से आज्ञा नहीं माँगनी पड़ेगी। पक्षियों का जीवन बहुत अच्छा होता है। पूरे दिन भर इधर से उधर उड़ते रहते हैं। भोजन की तलाश में इधर-उधर कीड़े, फसलों को खाकर अपना पेट भर के शाम को वापस अपने घोसले में आकर सो जाते हैं।

सभी पक्षी एकदम आजादी वाला जीवन जीते हैं। मेरा भी ऐसा ही मन करता है कि मैं भी उनकी तरह एकदम आजादी वाली जिंदगी को जी लूँ। आज सभी मनुष्यों की जिंदगी में इतनी परेशानियाँ है, इसकी वजह से मेरा मन भी एक पक्षी की तरह जिंदगी जीने का करता है।